Aayushi International Interdisciplinary Research Journal (AIIRJ)

VOL- VII | ISSUE- X | OCTOBER | 2020 | PEER REVIEW e-JOURNAL | IMPACT FACTOR 6.293 | ISSN 2349-638x

रीवा जिले में प्रमुख व्यावसायिक फसल के उत्पादन एवं विपणन का अध्ययन

पंकज कुमार पाण्डेय

प्रस्तुत शोध पत्र में रीवा जिले में प्रमुख व्यावसायिक फसलों के उत्पादन एवं विपणन का आर्थिक प्रभाव के अंतर्गत सोयाबीन, गेहूँ, चना एवं धान की फसलों का अध्ययन किया गया है।

विकासखण्ड के अनुसार सोयाबीन उत्पादन–

सोयाबीन उत्पादन में मध्यप्रदेश का प्रथम स्थान है देश का 54 प्रतिशत से अधिक सोयाबीन मध्यप्रदेश में होता है। अतः इसे सोयाबीन प्रदेश कहते है। सोयाबीन चीन की मूल फसल है। इसका उत्पादन अधिकतर कोरिया, जापान, चीन और मंगोलिया में होता है। मध्यप्रदेश में सोयाबीन की कृषि का शुभारम्भ वर्ष 1964–65 में हुआ था। तभी से यहाँ सोयाबीन के अन्तर्गत कृषि क्षेत्र और उत्पादन में वृद्धि होती जा रही है।

जिला रीवा में विकासखंडो के अनुसार सोयाबीन उत्पादन के अन्तर्गत कुल भूमि कुल सोयाबीन उत्पादन तथा सोयाबीन के औसत उत्पादन का विवरण निम्न सारणी में दिया गया है–

सारणी क्रमांक–1

चयनित विकासखण्ड में सोयाबीन उत्पादन

	कृषक संख्या	सोयाबीन उत्पादन के अंतर्गत कुल भूमि (एकड़)	कुल सोयाबीन उत्पादन (प्रति क्विटल)	सोयाबीन का औसत उत्पादन (क्विंटल/एकड़)
रीवा	100	146.9	2011.061	**13.69**
मनगंवा	100	153.9	2183.841	**14.19**
त्योंथर	100	263.9	4166.981	**15.79**
जिला रीवा	**300**	**564.7**	**8361.883**	**14.80**

स्रोत–व्यक्तिगत अध्ययन से प्राप्त जानकारी के आधार पर।

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि जिला रीवा में सोयाबीन उत्पादन के अंतर्गत कुल भूमि 564.7 एकड़ है। जिसमें विकासखण्डों रीवा मनगंवा एवं त्योंथर के भाग क्रमशः 146.9, 153.9, व 263.9 एकड़ है। जिला रीवा में कुल सोयाबीन उत्पादन 8361.883 क्विटल है। जिसमें विकासखण्डों रीवा मनगंवा एवं त्योंथर का योगदान क्रमश 2011.061, 2183.841, व 4166.981 है।

बीज उपलब्धता–

सोयाबीन उत्पादन के अंतर्गत गैर स्थानीय बीजों द्वारा बोई गई भूमि बीज उपलब्धता और सोयाबीन के औसत उत्पादन का विवरण निम्न सारणी में दिया गया है।

सारणी क्रमांक 2

विकास खंड	कृषक संख्या	सोयाबीन उत्पादन के अंतर्गत कुल भूमि (एकड़)	सोयाबीन उत्पादन के अंतर्गत गैर स्थानीय बीजों द्वारा बोई गई भूमि (एकड़)	बीज उपलब्धता	सोयाबीन का औसत उत्पादन (क्विंटल/एकड़)
रीवा	100	146.9	58.41	0.394	**13.69**
मनगंवा	100	153.9	54.53	0.351	**14.19**
त्योंथर	100	263.9	104.31	0.395	**15.79**
जिला रीवा	**300**	**564.7**	**217.25**	**0.381**	**14.80**

स्रोत–व्यक्तिगत अध्ययन से प्राप्त जानकारी के आधार पर।

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि जिला रीवा मे सोयाबीन उत्पादन के अंतर्गत गैर स्थानीय बीजों द्वारा बोई गई भूमि 217.25 एकड़ है। जिसमें विकासखंडों रीवा, मनगंवा एवं त्योंथर के भाग क्रमशः 58.41, 54.53, व 104.31 है।

उर्वरक उपलब्धता–

सोयाबीन उत्पादन के अंतर्गत पर्याप्त उर्वरक प्रयोग वाली भूमि उर्वरक उपलब्धता और सोयाबीन के औसत उत्पादन के का विवरण निम्न सारणी में दिया गया है।

सारणी क्रमांक 3

विकास खंड	कृषक संख्या	सोयाबीन उत्पादन के अंर्तगत कुल भूमि (एकड़)	सोयाबीन उत्पादन के अंर्तगत पर्याप्त उर्वरक प्रयोग वाली भूमि (एकड़)	उर्वरक उपलब्धता	सोयाबीन का औसत उत्पादन (क्विंटल/एकड़)
रीवा	100	146.9	108.9	0.741	**13.69**
मनगंवा	100	153.9	98.1	0.637	**14.19**
त्योंथर	100	263.9	189.2	0.716	**15.79**
जिला रीवा	**300**	**564.7**	**396.2**	**0.701**	**14.80**

स्रोत–व्यक्तिगत अध्ययन से प्राप्त जानकारी के आधार पर।

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है, कि जिला रीवा में सोयाबीन उत्पादन के अंतर्गत पर्याप्त उर्वरक प्रयोग वाली भूमि 396.2 एकड़ है, जिसमें विकासखण्डों रीवा मनगंवा एवं त्योंथर के भाग क्रमश 108.9, 98.1 व 189.2 एकड़ है। विकासखण्डों रीवा मनगंवा एवं त्योंथर के लिये सोयाबीन उत्पादन के अंतर्गत उर्वरक उपलब्धता क्रमशः 0.741, 0.637 व 0.716 है। जिला रीवा के लिये उर्वरक उपलब्धता 0.701 है।

सिचाई–

सोयाबीन उत्पादन के अंतर्गत सिंचित भूमि, सिंचाई सूचकाक तथा सिंचाई सूचकांक और सोयाबीन के औसत उत्पादन का विवरण निम्न सारणी में दिया गया है।

सारणी क्रमांक 4

विकास खण्ड	कृषक संख्या	सोयाबीन उत्पादन के अंर्तगत कुल भूमि (एकड़)	सोयाबीन उत्पादन के अंर्तगत सिंचित भूमि (एकड़)	सिंचाई उपलब्धता	सोयाबीन का औसत उत्पादन (क्विंटल/एकड़)
रीवा	100	146.9	83.4	0.560	**13.69**
मनगंवा	100	153.9	74.6	0.484	**14.19**
त्योंथर	100	263.9	109.7	0.415	**15.79**
जिला रीवा	**300**	**564.7**	**267.7**	**0.474**	**14.80**

स्रोत–व्यक्तिगत अध्ययन से प्राप्त जानकारी के आधार पर।

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है, कि जिला रीवा में सोयाबीन उत्पादन के अंतर्गत सिंचित भूमि 267.7 एकड़ है। जिसमें विकासखण्डों रीवा मनगंवा एवं त्योंथर में भाग क्रमशः 83.4, 74.6 व 109.7 एकड़ है। विकासखण्डों रीवा मनगंवा एवं त्योंथर के लिये सोयाबीन उत्पादन के अंतर्गत सिंचाई उपलब्धता क्रमशः 0.560, 0.484 व 0.415 है, जिला रीवा के लिये सिंचाई उपलब्धता 0.474 है।

गेहूँ उत्पादन–

गेहूँ देश की प्रमुख खाद्यान्न फसल है। इसलिये आर्थिक दृष्टि से इसका महत्व है।

जलवायु तथा भूमि–

रबी मौसम में प्रदेश के प्रायः सभी जिलों में खासकर उत्तर–पश्चिम जलवायु क्षेत्रों में इसकी कास्त की जाती है। हल्की, दोमट तथा भारी किस्म की जमीनों में उचित जल प्रबंध के साथ इसे अच्छी तरह पैदा किया जा सकता है। वर्तमान में गेहूँ की खेती की परिस्थियों के लिये उसकी अलग–अलग उन्नत किस्में निर्धारित की गई है।

वर्षा आधारित तथा अर्धसिंचित दशा के लिये जे.डब्ल्यू–3020, जे. डब्ल्यू– 17, एच आई– 1500, सुजाता सी– 306, एच डब्ल्यू– 2004 (अमर) इन्हें 30 अक्टूबर से 10 नवम्बर तक बोना उचित होगा। देरी से बोनी की दशा के लिये– जे डब्ल्यू–4010, डी एल–788–2 (विदिशा), एचआई–1454 (आभा), एच आई–1418, एच डी– 2864, जीडब्ल्यू–173, एचडी 2189 (नवीन चंदोसी) इन्हें 25 दिसम्बर तक बोया जा सकता है।

सारणी क्रमांक 5

गेहूँ की सिंचाई क्रांतिक अवस्थाएँ

सिंचाई जल	देशी प्रजातियां	बोनी प्रजातियां
एक सिंचाई	25–30 दिन	**15 दिन (शीर्ष जड़ों की शुरूआत)**

दो सिंचाई	70—75 दिन	15—20 एवं 60—70 दिन (गांठे बनना)
तीन सिंचाई	25—30, 70—75 एवं 100—105 दिन	15—20, 60—70 एवं 75—100 दिन (पुष्प अवस्था)
चार सिंचाई	100—105 दिन	15—20, 40—45, 60—65, 95, 100 दिन (कंसे निकलना)
पांच सिंचाई	—	15—20, 40—45, 60—65, 80—85, 100—105 दिन (दानों में दूध भरना)
छः सिंचाई	—	15—20, 40—45, 60—65, 80—85, 100—105,110—115 दिन (दाना कड़ा होना)

स्रोत—कृषि महाविद्यालय रीवा

जिला रीवा के विकासखंडों के अनुसार गेहूँ उत्पादन के अंतर्गत कुल भूमि, कुल गेहूँ उत्पादन तथा गेहूँ के औसत उत्पादन का विवरण निम्न सारणी के माध्यम से प्रस्तुत है—

सारणी क्रमांक 6

विकासखंड	कृषक संख्या	गेहूँ उत्पादन के अंतर्गत कुल भूमि (एकड़)	कुल गेहूँ उत्पादन (क्विंटल)	गेहूँ का औसत उत्पादन (क्विंटल/एकड़)
रीवा	100	122.8	1657.8	13.50
मनगंवा	100	161.3	2080.8	12.90
त्योंथर	100	152.7	1956.1	12.81
जिला रीवा	300	436.8	5694.7	13.03

स्रोत—व्यक्तिगत अध्ययन से प्राप्त जानकारी के आधार पर।

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि जिला रीवा में गेहूँ उत्पादन के अंतर्गत कुल भूमि 436.8 एकड़ है। जिसमें विकासखंडों रीवा, मनगंवा एवं त्योंथर के भाग क्रमशः 122.8, 161.3 तथा 152.7 एकड़ है। जिला रीवा में कुल गेहूँ उत्पादन 5694.7 क्विटल हैं। जिसमें विकासखंडों रीवा, मनगंवा और त्योंथर के योगदान क्रमशः 1657.8, 2080.8 व 1956.1 है।

बीज उपलब्धता—

गेहूं उत्पादन के अंतर्गत गैर स्थानीय बीजों द्वारा बोई गई भूमि, बीज सूचकांक और गेहू के औसत उत्पादन के को सारणी के माध्यम से दर्शाया गया है—

सारणी क्रमांक 7

विकास खण्ड	कृषक संख्या	गेहूं उत्पादन के अंतर्गत कुल भूमि (एकड़)	गेहूं उत्पादन के अंतर्गत गैर स्थानीय बीजों द्वारा बोई गयी भूमि (एकड़)	बीज उपलब्धता	गेहूं का औसत उत्पादन (क्विंटल/एकड़)
रीवा	100	122.8	64.41	0.524	13.50
मनगंवा	100	161.3	75.55	0.468	12.90
त्योंथर	100	152.7	68.14	0.446	12.81
जिला रीवा	300	436.8	208.1	0.476	13.03

स्रोत—व्यक्तिगत अध्ययन से प्राप्त जानकारी के आधार पर।

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि जिला रीवा में गेहूं उत्पादन के अंतर्गत गैर स्थानीय बीजों द्वारा बोई गई भूमि 208.1 एकड़ है, जिसमें विकासखण्डों रीवा, मनगंवा और त्योंथर में के भाग क्रमश 64.41, 75.55, 68.14 एकड़ है। विकासखण्डों रीवा, मनगंवा और त्योंथर के लिये सोयाबीन उत्पादन के अंतर्गत उपलब्धता क्रमशः 0.524, 0.468 तथा 0.446 है।

उर्वरक उपलब्धता—

गेहूं उत्पादन के अंतर्गत उर्वरक प्रयोग वाली भूमि उर्वरक उपलब्धता सारणी के माध्यम से प्रस्तुत है—

सारणी क्रमांक 8

विकासखण्ड	कृषक संख्या	गेहूं उत्पादन के अंतर्ग	गेहूं उत्पादन के अंतर्ग	उर्वरक उपलब्धता	गेहूं का औसत उत्पादन (क्विंटल/एकड़)

		त कुल भूमि (एकड)	त पर्याप्त उर्वरक प्रयोग वाली भूमि (एकड)		
रीवा	100	122.8	44.33	0.361	**13.50**
मनगंवा	100	161.3	55.16	0.342	**12.90**
त्योंथर	100	152.7	63.67	0.417	**12.81**
जिला रीवा	**300**	**436.8**	**163.164**	**0.373**	**13.03**

स्रोत–व्यक्तिगत अध्ययन से प्राप्त जानकारी के आधार पर।

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि जिला रीवा में गेहूँ का उत्पादन के अंतर्गत पर्याप्त उर्वरक प्रयोग वाली भूमि 163.164 एकड़ है, जिसमें विकासखंडों रीवा, मनगंवा और त्योंथर के भाग क्रमश 44.33, 55.16 व 63.68 एकड़ है।

चना उत्पादन–

मध्यप्रदेश चने के क्षेत्र एवं उत्पादन म प्रथम स्थान है। देश का लगभग 46 प्रतिशत उत्पादन मध्यप्रदेश राज्य में होता है। प्रदेश में चने की औसत पदावार 1027 कि.ग्रा. प्रति हे. है, जिसे उन्नत कृषि तकनीक एउवं उन्नतशील प्रजातियों को अपनाकर 2000 से 2500 कि.ग्रा. प्रति हे. आसानी से किया जा सकता है।

जिला रीवा में विकासखण्डों के अनुसार चना उत्पादन के अंतर्गत कुल भूमि, कुल चना उत्पादन तथा चना के औसत उत्पादन का विवरण निम्न सारणी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है–

सारणी क्रमांक 9

विकास खण्ड	कृषक संख्या	चना उत्पादन के अंतर्गत कुल भूमि (एकड़)	कुल चना उत्पादन (क्विंटल)	चना का औसत उत्पादन (क्विंटल/एकड़)
रीवा	100	90.3	650.16	**7.20**
मनगंवा	100	120.9	766.50	**6.34**
त्योंथर	100	134.0	929.96	**6.94**
जिला रीवा	**300**	**345.2**	**2346.62**	**6.79**

स्रोत–व्यक्तिगत अध्ययन से प्राप्त जानकारी के आधार पर।

सारणी से स्पष्ट है कि जिला रीवा में चना उत्पादन के अंतर्गत कुल भूमि 345.2 एकड़ है, जिसमें विकासखण्डों रीवा, मनगंवा और त्योंथर के भाग क्रमशः 90.3, 120.9 व 134.0 एकड़ है। जिला रीवा में कुल चना उत्पादन 2346.62 क्विंटल है, जिसमें विकासखण्डों रीवा, मनगंवा और त्योंथर के योगदान 650.16, 766.50 व 929.96 है।

बीज उपलब्धता–

चना उत्पादन के अंतर्गत गैर स्थानीय बीजों द्वारा बोयी गई भूमि, बीज उपलब्धता और चना के औसत उत्पादन को निम्न सारणी में दर्शाया गया है–

सारणी क्रमांक 10

विकास खण्ड	कृषक संख्या	चना उत्पादन के अंतर्गत कुल भूमि (एकड़)	चना उत्पादन के अंतर्गत गैर स्थानीय बीजो द्वारा बोई गई भूमि (एकड़)	बीज उपलब्धता	चना का औसत उत्पादन (क्विंटल/एकड़)
रीवा	100	90.3	24.41	0.270	**7.20**
मनगंवा	100	120.9	35.53	0.293	**6.34**
त्योंथर	100	134.0	43.48	0.324	**6.94**
जिला रीवा	**300**	**345.2**	**103.42**	**0.299**	**6.79**

स्रोत–व्यक्तिगत अध्ययन से प्राप्त जानकारी के आधार पर।

सारणी से स्पष्ट है, कि जिला रीवा में चना उत्पादन के अंतर्गत गैर स्थानीय बीजों द्वारा बोयी गयी भूमि 103.42 एकड़ है। जिसमें विकासखण्डों रीवा, मनगंवा एवं त्योंथर के भाग क्रमशः 24.41, 35.53 व 43.48 एकड़ है। विकासखण्डों रीवा, मनगंवा एवं त्योंथर के लिये चना उत्पादन के अंतर्गत बीज उपलब्धता क्रमशः 2.270, 0.293 व 0.324 है।

उर्वरक उपलब्धता–

चना उत्पादन के अंतर्गत पर्याप्त उर्वरक प्रयोग वाली बोयी गई भूमि, उर्वरक उपलब्धता और चना के औसत उत्पादन का विवरण सारणी के माध्यम से प्रस्तुत है–

सारणी क्रमांक 11

विकासखण्ड	कृषक संख्या	चना उत्पादन के अंतर्गत कुल भूमि (एकड)	चना उत्पादन के अंतर्गत पर्याप्त उर्वरक प्रयोग वाली भूमि (एकड)	उर्वरक उपलब्धता	चना का औसत उत्पादन (क्विंटल/एकड़)
रीवा	100	90.3	48.41	0.536	**7.20**
मनगंवा	100	120.9	69.78	0.577	**6.34**
त्योंथर	100	134.0	64.19	0.478	**6.94**
जिला रीवा	**300**	**345.2**	**182.34**	**0.528**	**6.79**

स्रोत–व्यक्तिगत अध्ययन से प्राप्त जानकारी के आधार पर।

सारणी से स्पष्ट है कि जिला रीवा में चना उत्पादन के अंतर्गत पर्याप्त उर्वरक प्रयोग द्वारा बोयी गयी भूमि 182.34 एकड़ है। जिसमें विकासखण्डों रीवा, मनगंवा और त्योंथर के भाग क्रमशः 48.41, 69.78 व 64.15 है। विकासखण्डों रीवा, मनगंवा और त्योंथर के लिये चना उत्पादन के अंतर्गत पर्याप्त उर्वरक उपलब्धता 0.536, 0.577 तथा 0.478 है।

धान उत्पादन–

जिला रीवा में विकासखण्डों के अनुसार धान उत्पादन के अंतगत कुल भूमि, कुल धान उत्पादन तथा धान के औसत उत्पादन का विवरण सारणी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है–

सारणी क्रमांक 12

विकासखण्ड	कृषक संख्या	धान उत्पादन के अंतर्गत कुल भूमि (एकड़)	कुल धान उत्पादन (क्विंटल)	धान का औसत उत्पादन (क्विंटल/एकड़)
रीवा	100	151.41	1727.58	**11.41**
मनगंवा	100	202.34	2138.73	**10.57**
त्योंथर	100	148.52	1681.24	**11.32**
जिला रीवा	**300**	**502.27**	**5547.55**	**11.04**

स्रोत–व्यक्तिगत अध्ययन से प्राप्त जानकारी के आधार पर।

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि जिला रीवा में धान उत्पादन के अंतर्गत कुल भूमि 502.27 एकड़ है। जिसमें विकासखण्डों रीवा, मनगंवा और त्योंथर के क्रमशः 151.41, 202.34 व 148.52 एकड़ है।

बीज उपलब्धता–

धान उत्पादन के अंतर्गत गैर स्थानीय बीजों द्वारा बोयी गई भूमि, बीज सूचकांक तथा बीज उपलब्धता और धान का औसत उत्पादन का विवरण निम्न सारणी में दिया गया है।

सारणी क्रमांक 13

विकासखण्ड	कृषक संख्या	धान उत्पादन के अंतर्गत कुल भूमि (एकड)	गैर स्थानीय बीजों द्वारा बोई गई भूमि (एकड़)	बीज उपलब्धता	धान का औसत उत्पादन (क्विंटल/एकड)
रीवा	100	151.41	67.71	0.447	**11.41**
मनगंवा	100	202.34	92.45	0.456	**10.57**
त्योंथर	100	148.52	72.41	0.487	**11.32**
जिला रीवा	**300**	**502.27**	**232.57**	**0.463**	**11.04**

स्रोत–व्यक्तिगत अध्ययन से प्राप्त जानकारी के आधार पर।

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है, कि जिला रीवा में धान उत्पादन के अंतर्गत गैर स्थानीय बीजों द्वारा बोयी गई भूमि 232.57 एकड़ है। विकासखण्ड रीवा, मनगंवा एवं त्योंथर के भाग क्रमशः 67.71, 92.45 व 72.41 है।

उर्वरक उपलब्धता–

धान उत्पादन के अंतर्गत पर्याप्त उर्वरक प्रयोग वाली भूमि, उर्वरक उपलब्धता तथा उर्वरक उपलब्धता

और धान के औसत उत्पादन का विवरण सारणी में दिया गया है।

सारणी क्रमांक 14

विकासखण्ड	कृषक संख्या	धान उत्पादन के अंतर्गत कुल भूमि (एकड़)	धान उत्पादन के अंतर्गत पर्याप्त उर्वरक प्रयोग वाली भूमि (एकड़)	उर्वरक उपलब्धता	धान का औसत उत्पादन (क्विंटल/एकड़)
रीवा	100	151.41	74.89	0.494	11.41
मनगंवा	100	202.34	97.51	0.481	10.57
त्योंथर	100	148.52	77.38	0.521	11.32
जिला रीवा	300	502.27	249.78	0.497	11.04

स्रोत–व्यक्तिगत अध्ययन से प्राप्त जानकारी के आधार पर।

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि जिला रीवा में धान उत्पादन के अंतर्गत पर्याप्त उर्वरक प्रयोग वाली भूमि 249.78 एकड़ है। तथा जिसमें विकासखण्डों रीवा, मनगंवा और त्योंथर के भाग क्रमशः 74.89, 97.51 व 77.38 एकड़ है। विकासखण्डों रीवा, मनगंवा और त्योंथर के लिये उर्वरक उपलब्धता क्रमशः 0.494, 0.481 व 0.521 है।

संदर्भ–

2. अग्रवाल के.एम.–भारत में कृषि का इतिहास, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, जयपुर, 1997
3. श्रीवास्तव, प्रो. ओ.एस.–विकास एवं नियोजन का अर्थशास्त्र, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल, वर्ष 2008
4. चौहान, जीतन सिंह–रीवा राज्य दर्पण, रीवा दरबार से प्रकाशित स्टेण्डर्ड प्रेस, इलाहाबाद, 2007
5. जैन, पी.सी. एवं जैन रेणुका–विपणन प्रबन्ध, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, नई दिल्ली, 2005
6. अग्रवाल के. एल.–विन्ध्य क्षेत्र का ऐतिहासिक भूंगोल प्रथम संस्करण, 1987
7. जिला साख एवं कार्य योजना, जिला उद्योग केन्द्र, रीवा
8. जिला सांख्यिकी पुस्तिका, जिला सांख्यकी कार्यालय रीवा, 2011, 2012
9. शिवानन्द, –'रीवा नगर' चतुर्थ संस्करण, रीवा आर्ट प्रिन्टर्स, रीवा, 1986
10. सिंह, राजेन्द्र–भारतीय अर्थव्यवस्था में गरीबी उन्मूलन की समस्याएँ, राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली 1989